मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 44, मुंबई, शुक्रवार, 5 अप्रैल, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

शिंदे-फडणवीस और इन मंत्रियों ने नहीं भरा पानी का बिल

सरकारी आवासों पर 95 लाख से ज्यादा का बकाया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में पानी के बिल को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आम तौर पर दो-तीन महीने से ज्यादा पानी का बिल न जमा करने पर बीएमसी बकायेदार का कनेक्शन काट देती है। मगर, सरकारी आवासों पर मेहरबानी जारी रहती है। इसका खुलासा एक आरटीआई से हुआ है। आरटीआई में सामने आया है कि महानगरपालिका मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के सरकारी आवास पर मेहरबान है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'क्या आयुक्त कनेक्शन काटने की हिम्मत करेंगे'

शकील अहमद शेख के अनुसार, अगर सरकारी विभाग समय पर पानी का बिल नहीं भरता है तो फिर सामान्य जनता बकाये पानी का बिल कैसे भरेगी? क्या महानगरपालिका आयुक्त बकायेदार मंत्रियों के आवासों का पानी का कनेक्शन काटने की हिम्मत करेंगे।

रमजान मुबारक हिजरी 1445 साल 2024

मुंबई और आसपास के इलाकों में टाईम

रोजा पचीसवां (25) 05 अप्रैल 2024 शुक्रवार

खत्मे शहेरी : 5:05 A.M
रोजे की निय्यतः नवैतु अन असौमा गदन लिल्लाहि तआला मिन फर्जी रमजान।

वक्ते इफ्तार : 6:56 P.M
इफ्तार की दुआः अल्लाहुम्मा इन्नी लका सुमतो वबैका आमनतो व इलयका तवकल्लतो व आला रिजकेका अफ्तरतो फतकब्बल मिन्नी।

रमजान का (21 से 30 रोजा) तीसरा असरा जहन्नम से नजात पाने का होता है।

महाराष्ट्र में डगमगा रही 'इंडिया' गठबंधन की नैया!

उद्धव गुट के तेवर से टेंशन में कांग्रेस

आर-पार की नौबत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 दो सप्ताह में शुरू हो जाएगा। महाराष्ट्र में पहले चरण में 19 अप्रैल को नागपुर समेत विदर्भ की पांच सीटों पर मतदान होगा। लेकिन विपक्ष दलों के इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का मसला ही नहीं सुलझ रहा है। इंडिया गठबंधन में खासकर सांगली सीट को लेकर रार मची हुई है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेताओं के बीच आर-पार की नौबत आ गई है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने स्पष्ट कहा है कि सांगली की सीट पर हम ही चुनाव लड़ेंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लोकसभा चुनाव से पहले नवनीत राणा को बड़ी राहत

जाति प्रमाणपत्र वैध, सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा ने गुरुवार को नामांकन दाखिल किया। इससे पहले उन्हें सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। अमरावती से सांसद राणा के जाति प्रमाण पत्र को लेकर आज शीर्ष कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए बीजेपी नेता नवनीत राणा के जाति प्रमाणपत्र पर मुहर लगा दी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संजय निरुपम ने भी छोड़ी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव पहले मुंबई में 'ढही' कांग्रेस, 3 महीने में 3 बड़े झटके!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे है। वो भी तब जब राज्य में पहले चरण के मतदान में सिर्फ दो हफ्ते का समय रह गया है। पिछले तीन महीनों में मुंबई में ही कांग्रेस के तीन बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके है। इस सूची में एक और नाम जुड़ गया है। कांग्रेस में गुटबाजी और असमर्थ नेतृत्व का आरोप लगाकर एक के बाद एक नेता 'हाथ' का साथ छोड़ रहे है। मुंबई में कांग्रेस के चर्चित चेहरे संजय निरुपम ने भी पार्टी को अलविदा कह दिया है। हालाँकि, इस बीच कांग्रेस ने भी उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

इंसान की बढ़ी उम्र

यह अवश्य अच्छी खबर है कि भारत में 1990-2021 की अवधि में जीवन प्रत्याशा में 7.9 वर्ष की वृद्धि हुई, जो विश्व औसत से अधिक है। लेकिन दक्षिण एशिया में भूटान, बांग्लादेश और नेपाल में लोगों की औसत उम्र भारत की तुलना में काफी ज्यादा बढ़ी है। जीवन प्रत्याशा विकास मापने का सर्व-स्वीकृत पैमाना है। जन्म के समय एक शिशु के औसतन कितने वर्ष जीने की उम्मीद रहती है, यह इससे तय होता है कि संबंधित समाज में रोग की रोकथाम और इलाज के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा की कैसी व्यवस्थाएं हैं। बीसवीं सदी को मानव इतिहास में इसीलिए एक महत्त्वपूर्ण शताब्दी माना जाता है, क्योंकि उसमें जीवन प्रत्याशा में जितनी वृद्धि हुई, वैसा इतिहास में कभी नहीं हुआ था। जाहिर है, इसका कारण इस सदी में चिकित्सा संबंधी हुए आविष्कारों के साथ-साथ जनता में अपने अधिकारों की फैली चेतना थी। अब ताजा खबर यह है कि 1990 से 2021 तक की अवधि में दुनिया में औसत जीवन प्रत्याशा में 6.2 वर्ष की वृद्धि हुई। यह बात मशहूर ब्रिटिश पत्रिका लांसेट के नए अध्ययन से सामने आई है। इस दौरान दुनिया के जिन क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई, उनमें दक्षिण एशिया भी है। लेकिन भारत के लिए यह खबर संतोषजनक नहीं है कि इस क्षेत्र में छोटे और अपेक्षाकृत गरीब समझे जाने वाले तीन देशों ने इस मामले बेहतर प्रदर्शन किया। यह अवश्य अच्छी खबर है कि भारत में उन तीन दशकों में जीवन प्रत्याशा में 7.9 वर्ष की वृद्धि हुई, जो विश्व औसत से अधिक है। लेकिन दक्षिण एशिया में भूटान, बांग्लादेश और नेपाल में लोगों की औसत उम्र भारत की तुलना में काफी ज्यादा बढ़ी। यह वृद्धि क्रमशः 13.6, 13.3 और 10.4 वर्ष रही। पाकिस्तान की स्थिति अवश्य दयनीय रही है, जहां इस अवधि में औसत जीवन प्रत्याशा सिर्फ 2.5 वर्ष ही बढ़ सकी। लांसेट के मुताबिक इन तीन दशकों में दुनिया भर में डायरिया, सांस संबंधी संक्रमण, हार्ट अटैक और पक्षाघात से होने वाली मौतों में काफी गिरावट आई, जिसके परिणामस्वरूप औसत आयु बढ़ी। लांसेट ने ध्यान दिलाया है कि कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में मौतें नहीं होतीं, तो जीवन प्रत्याशा बढ़ाने की दिशा में दुनिया में प्रगति और प्रभावशाली दिखती। बहरहाल, इस अध्ययन से भारत को यह सबक लेने की जरूरत है कि जीडीपी केंद्रित सोच अपने आप में पर्याप्त नहीं है। असल मोर्चा मानव विकास का है, जिसमें भारत का रिकॉर्ड औसत बना हुआ है।

अलविदा जुमा क्या है, आईए जानते हैं

अलविदा जुमा को अरबी में 'जमात-उल-विदा' भी कहा जाता है

मुंबई हलचल/ शोएब म्यानुंर

मुंबई। रमजान के आखिरी जुमे को अलविदा कहा जाता है। अलविदा जुमा को अरबी में 'जमात-उल-विदा' भी कहा जाता है। सैयद गुलाम फैयाज हुसैन फैयाजी बताते हैं कि वैसे लोग जो हज करने के काबिल नहीं हैं अगर वे भी जुमे के दिन पूरे एहतराम के साथ नमाज अदा करें, तो उन्हें हज करने के बराबर ही सवाब मिलता है। फैयाज हुसैन आगे बताते हैं कि रमजान में हर जुमे की अपनी अहमियत है। अलविदा जुमा को अरबी में 'जमात-उल-विदा' भी कहा जाता है। रमजान के महीने में मुसलमान पूरे 29 या 30 दिन तक रोजा रखते हैं यानी करीब चार हफ्ते रोजे की मुद्दत होती है। इन चार हफ्तों में जो आखिरी जुमा होता है, वही अलविदा जुमा

कहलाता है। अलविदा माहे रमजान की घड़ी नजदीक आ गई है। माहे रमजान का आखिरी जुम्मा 5 अप्रैल को है। इस बार रमजान में चार जुमे आए हैं। आखिरी जुमे को अलविदा जुमा या जुमातुल विदा कहते हैं। भारत में मुस्लिम समुदाय के लिए खास फजीलत रखता है। इस जुमे की नमाज का सवाब कई गुना बढ़ जाता है। हम आपको अलविदा जुमे का वजीफा बता रहे हैं। इस वजीफे को आपको जुमे के दिन करना है और इसके बाद आपकी जिंदगी ही बदल जाएगी। बेपनाह सवाब के साथ ही आपको इस वजीफे की बरकत से रिज्क में बढ़ोतरी हो जाएगी।

अलविदा जुमा क्या होता है?

रमजान के आखिरी जुमे यानी शुक्रवार को ही अलविदा जुमा भी कहा जाता है। नबी ए करीम ने इस दिन की खासीयत फजीलत बयान की है। रमजान के सारे ही जुम्मे अहम होते हैं, लेकिन अलविदा जुमा सबसे अहम दर्जा रखता है। जुमातुल विदा के दिन अल्लाह की खास रहमतें नाजिल होती हैं। इस जुमे का खुत्बा भी अलग होता है। रमजान का महीना 11 मार्च 2024 से शुरू हुआ है। इस बार रमजान में चार जुमे आए हैं। ऐसे में रमजान का आखिरी जुम्मा 5 अप्रैल 2024 को है।

कलेक्टर ने दिए अधिकारियों लोस चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश

रावेर व जलगाँव के स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

जलगाँव। जिले में नासिक रेंज के विशेष पुलिस महानिरीक्षक बी.जी शेखर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष प्रसाद, पुलिस अधीक्षक डॉ.महेश्वर रेड्डी ने 3 अप्रैल को लोस चुनावों को लेकर स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुझाव दिए। बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव- 2024 के लिए मतदान प्रक्रिया 13 मई को जलगांव व के रावेर लोकसभा क्षेत्रों में होगी। वहीं मतगणना 4 जून को होगी। वोटिंग मशीन मशीनों के रखरखाव के लिए जलगांव एमआईडीसी के कुसुंबा क्षेत्र में स्थित वखर निगम के गोदाम में एक स्ट्रॉन्ग रूम बनाया गया है। रावेर लोकसभा क्षेत्र के लिए वेयरहाउस नंबर 14 और जलगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए वेयरहाउस नंबर 15 पर स्ट्रॉन्ग रूम तैयार किया गया है। इस संबंध में बुधवार को स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों का निरीक्षण नासिक संभाग के विशेष पुलिस महानिरीक्षक बी. जी. शेखर, डीसी आयुष प्रसाद, पुलिस अधीक्षक डॉ.महेश्वर रेड्डी द्वारा सुरक्षा के लिहाज से उचित निर्देश भी दिए है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं रावेर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अंकुश पिनाटे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक नखाते, उपजिला चुनाव अधिकारी अरविंद अंथुरथिकर सहित कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

झुलसती गर्मी से जनजीवन बेहाल

जलगाँव। अप्रैल माह प्रारंभ ही हुआ है कि गर्मी ने अपने तेवर दिखने शुरू कर दिए है। तपती गर्मी में एक और जहां जनजीवन बेहाल है वहीं पशु-पक्षी भी परेशान होते नजर आ रहे है। जिले में आज का तापमान 39-40 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। जिससे झुलसती गर्मी में लोगों का काफी तखलीफे उठानी पड़ रही है। स्कूल, कॉलेज,कार्यालय या फिर इंस्टीट्यूट में जाने वालों के लिए ये गर्मी आफत बनकर बरस रही है। अभी अप्रैल माह शुरू ही हुआ है ऐसे में अभी बारिश होना भी असंभव सा ही लग रहा है। जिससे जिले में तपती गर्मी से चारों और हलकान है। जिले के सुधाकर कापूरे,पीड़ी बाविस्कर, संदीप शिन्दे,कल्पेश सुतार, राजू मिस्त्री,अमोल पाटिल,योगेश कुमार,दीपक कोली, मंगल पाटिल,स्वामी पाटिल,राजेन्द्र सुतार,डॉ. प्रभु व्यास, डॉ.नितिन विसपुते,सुलोचना बाविस्कर,रजनी पाटिल,अनिता पाटिल,संगीता पाटिल आदि का कहना है कि गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। तपती धूप में बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। जिससे काफी संख्या में लू लगने के मरीज भी नागरिक अस्पताल में देखे जा सकते है। स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को भी स्कूल जाने के लिए झुलसती गर्मी में काफी परेशानी हो रही है। तपती धूप के साथ ही उमस भरी गर्मी से हर कोई परेशान है। इस मौसम में बिजली कट लगना भी स्वाभाविक है। वहीं पशु-पक्षियों के लिए भी गर्मी एक आफत बनकर बरस रही है। कुछ लोगों का कहना है कि चिलचिलाती धूप से बचने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। ताकि गर्मी से राहत मिल सके। शहर के कुछेक डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी के मौसम में हैजा,उल्टी,पेचिश आदि बीमारियों के फैलने की भी पूरी-पूरी संभावनाएं बनी रहती है। उनका कहना है कि गर्मी में ज्यादा से ज्यादा निम्बू पानी का प्रयोग करें जितना हो सके उतना तली खादय चीजों से परेज करना चाहिए। वहीं अपने आप को तेज धूप से बचाने के लिए तौलिया, गमछा आदि जरूर प्रयोग करना चाहिए। ताकि शारीरिक व आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

MIDC के सोए हुए आधिकारी उठा रहे सोने की तनख्वाह

लांजेवर से कार्यवाई की मांग

मुंबई हलचल/संवाददाता

पालघर। बोईसर शहर के एमआईडीसी ऑफिस के एक सरकारी कर्मचारी की ऑफिस टाईम में सोते हुए फोटो वायरल हो रही है जिसमे आप साफ देख सकते है की एमआईडीसी ऑफिस में काम करने वाला शशकीय कर्मचारी किस तरह कुर्सी पर दोनो पैर धरे आराम कर रहा है और मुफ्त की सरकार की तनख्वाह का आनंद ले रहा है। आप को बता दे के अपनी समस्या की शिकायत ले गए बोईसर के एक समाज सेवक ने यह तस्वीर ली है जिसके उन्होंने दावा किया है की यह अपने ऑफिस में काम के समय से रहे है अगर यह अधिकारी ऐसेही सोते रहे तो जनता का काम कोन करेगा पूछता है बोईसर और बोईसर की जनता। ऐसे सोते हुए आधिकारी पर क्या कार्यवाइ करेंगे एमआईडीसी ऑफिसर मुकेश लांजेवर क्या निलंबित की कार्यवाई करेंगे लंजेवार जिसका इंतजार जनता कर रही है।

आरएसी के इफ़्तार में जुटी खासो–आम की भीड़

हजरत अदनान मियाँ ने सबके साथ बैठकर किया इफ़्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

बरेली। हर साल की तरह इस साल भी ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी (आरएसी) के रोजा इफ़्तार में जबरदस्त भीड़ उमड़ी। नबीरा-ए-आला हजरत व आरएसी के नायब सदर मौलाना अदनान रजा कादरी ने सभी के साथ बैठकर इफ़्तार किया। न कोई खास था और न आम, सभी ने एक साथ इफ़्तार किया। नबीरा-ए-आला हजरत ने मगरिब की नमाज अदा कराई। उन्होंने फलस्तीन के लिए खास दुआ फरमाई।

नमाज के बाद लंगर का एतहमाम किया गया। इस मौके पर बरेली ही नहीं, आसपास के कई ज़िलों से आए रोजादारों और मेहमानों ने शिरकत की। पीलीभीत बाइपास स्थित फहम लॉन में आयोजित सामूहिक रोजा इफ़्तार की तैयारियों के लिए रजा एक्शन कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सुबह से ही जुट गए थे। एक तरफ इफ़्तार के लिए खजूर, फल, शर्बत, पकौड़ियों वगैरह का इंतजाम किया जा रहा था तो दूसरी तरफ लंगर के लिए चूल्हों पर बिरयानी की देगें चढ़ी हुई थीं। नबीरा-ए-आला हजरत मौलाना अदनान रजा कादरी खुद ही तमाम इंतजामात देख रहे थे। असर की नमाज के बाद तैयारियाँ शबाब पर पहुँच गईं। लॉन के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक लम्बे-लम्बे दस्तरख़्वान सजाए गए। जैसे-जैसे भीड़ उमड़ने लगी, वैसे-वैसे दस्तरख़्वान पर खाने-पीने का सामान लगाया जाता रहा। ठीक 6.37 बजे मगरिब की अजान हुई और हर खासो-आम ने एक साथ रोजा इफ़्तार किया। इफ़्तार के फौरान बाद दस्तरख़्वान समेट कर नमाज की तैयारी की गई। हजरत अदनान रजा कादरी की इमामत में तमाम रोजादारों ने नमाज अदा की। नबीरा-ए-आला हजरत ने मुल्को-मिल्लत के लिए दुआ की। फलस्तीन के लिए उन्होंने खास दुआ फरमाई। इसके बाद लंगर हुआ और फिर सभी लोग नबीरा-ए-आला हजरत से मुलाकात कर रुखसत हुए। इस मौके पर उस्मान रजा खान अब्दुल्ला रजा कादरी अम्मार वसीम सय्यद सबूर अली हन्नान उद्दीन मोहसिन हसन खान मुशाहिद रफत खानअब्दुल हलीम खान ताज खान अब्दुल लतीफ अजहरी राजु बाबा रजब अली साजू सईद सिब्तैनी मोहम्मद जुनैद हनीफ अजहरी रेहान यार खान डॉक्टर अनीस बेग डॉक्टर अरशद डॉक्टर जावेद कुरैशी हाफिज सलीम रजा नदीम कुरैशी सय्यद हैदर अली असलम चौधरी पवनीत सिंह अजीत सिंह गुर चरण सिंह चौधरी अनेक सिंह मुफ्ती हनीफ मौलाना सफदर रजा मौलाना सलीम खालिद रजा अशरफ रजा डॉक्टर साजिद रजा सुहैल रजा मेराज कतिब सय्यद रिजवान अम्मार अशरफ जीशान रजा नूर अहमद मौलाना मजाज रजा मौलाना जुनैद रजा अल्ताफ खान सय्यद शाफे अशरफी काशिफ रजा जिया उर रहमान फुरकान रजा उवैस खान मोईद रजा यूनुस रजा इरशाद रजा शादाब रजा आरिफ रजा सय्यद मुशर्रफ अली जमाल अजहरी जाहिद अली राशिद गद्दी सलमान रजा आसिफ रजा हाजी इदरीस रजा साकिब रजा सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

शिंदे-फडणवीस और इन मंत्रियों ने नहीं भरा पानी का बिल

इनके सरकारी आवासों पर पानी का लाखों रुपये बकाया है। बात करें अकेले मुख्यमंत्री के बंगले की तो 18 लाख 48 हजार 357 रुपये पानी का बकाया है। आरटीआई एक्टिविस्ट शकील अहमद शेख ने पानी के बकायादारों की जानकारी मांगी थी। इसमें पता चला कि मुख्यमंत्री समेत अन्य मंत्रियों के सरकारी आवासों पर कुल 95 लाख 12 हजार 236 रुपये का बिल बकाया है। जिन मंत्रियों के सरकारी आवासों का पानी का बिल बकाया है, उसमें राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (वर्षा बंगला, नंदनवन), उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, (सागर, मेघदूत) उपमुख्यमंत्री अजित पवार (देवगिरी), मंत्री सुधीर मुनगंटीवार (पर्णकुटी), मंत्री राधा कृष्ण विखे पाटील (रॉयलस्टोन), डॉ. विजयकुमार गावित आदिवासी मंत्री (चित्रकुट), गिरीश महाजन, ग्रामविकास व पंचायतराज मंत्री (सेवासदन), गुलाबराव पाटील (जेतवन), दीपक केसकर हामटेक, उदय सामंत (मुक्तागीरी) और सह्याद्री अतिथीगृह इत आदि का नाम शामिल है।

संजय निरुपम ने भी छोड़ी कांग्रेस

पूर्व सांसद निरुपम का कहना है कि कांग्रेस दिशाहीन हो गई है। मेरे इस्तीफा देने के बाद मुझे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया गया। कांग्रेस से निष्कासित किये जाने के बाद संजय निरुपम ने कहा, मैंने कल एक घोषणा की और लगभग 10:40 बजे मल्लिकार्जुन खरगे जी को अपना इस्तीफा भेज दिया...लेकिन उन्होंने मेरे निष्कासन का आदेश जारी कर अपना एक पन्ना खराब किया...कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई पार्टी है और पार्टी के नेता भी कह चुके है कि पार्टी की विचारधारा दिशाहीन है...। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव का आगाज 19 अप्रैल को विदर्भ से होगा। जिसके चलते चुनाव प्रचार चरम पर है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस को लगातार नेताओं के पार्टी छोड़ने के झटके मिल रहे हैं। कभी कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण अब बीजेपी में है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए। इसके बाद बाबा सिद्दीकी अजित पवार की एनसीपी में चले गए। देवड़ा और सिद्दीकी मुंबई में कांग्रेस के बड़े नेता थे और दशकों से पार्टी से जुड़े थे। अब संजय निरुपम के भी पार्टी छोड़ने से मुंबई में कांग्रेस की कमर लगभग टूट गई है।

लोकसभा चुनाव से पहले नवनीत राणा को बड़ी राहत

नवनीत कौर-राणा एक फिल्म अभिनेत्री थीं। उन्होंने 2011 में अमरावती के बडनेरा से विधायक रवि राणा से शादी की। शादी के बाद उन्होंने अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र बनवाया। इस जाति प्रमाणपत्र को जून 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को रद्द कर दिया। अमरावती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। नवनीत राणा को शादी के बाद 2013 में मोची जाति (एससी) से ताल्लुक रखने का प्रमाणपत्र मिला था। उनके प्रमाणपत्र को जाति सत्यापन समिति ने भी मान्य किया था। लेकिन इसके खिलाफ शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसुल ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता पूर्व सांसद ने दावा किया था कि नवनीत राणा मोची नहीं बल्कि पंजाबी चर्मकार जाति से हैं। इसके बाद, कोर्ट ने समिति के फैसले को रद्द कर दिया और राणा के प्रमाणपत्र को अमान्य घोषित कर दिया। पहली बार सांसद बनी नवनीत राणा 2019 में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित अमरावती सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विजयी रही थीं। आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने उन्हें महायुति गठबंधन से अमरावती से मैदान में उतारा है।

उद्धव गुट के तेवर से टेंशन में कांग्रेस

महाराष्ट्र की सांगली लोकसभा सीट पर पिछले कई सालों से कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ रही है। हालांकि, इस साल के लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाडी में शामिल शिवसेना उद्धव गुट ने सांगली सीट पर न केवल दावा किया, बल्कि फैसला होने से पहले ही चंद्रहार पाटिल को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इस पर महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेताओं ने नाराजगी भी जताई, और मामला दिल्ली तक भी पहुंचा, लेकिन उद्धव खेमे ने अपना उम्मीदवार वापस लेने से मना कर दिया। हालांकि, इस सीट पर अपना हक साबित करने और उद्धव गुट से यह सीट वापस पाने के लिए कांग्रेस के जिला और राज्य स्तर के नेता खूब दम भर रहे है। सांगली के नेताओं के लिए यह अब प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गई है। दरअसल, कांग्रेस महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल को सांगली से उम्मीदवार बनाने वाली थी। पाटिल परिवार ने कई सालों तक इस सीट से चुनाव लड़ा और सफलता हासिल की। एमवीए गठबंधन में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (उद्धव गुट) है। जबकि एमवीए के तीनों दल 'इंडिया' गठबंधन का भी हिस्सा है। आज मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र की सभी 48 सीटें एमवीए की हैं, शिवसेना (यूबीटी) या कांग्रेस की नहीं। शिवसेना (यूबीटी) एमवीए की सभी सीटें जीतने का स्पष्ट इरादा रखती है। कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट के बयान का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, सांगली सीट शिवसेना के पास होने से कुछ लोग नाराज हो सकते हैं...। थोराट एमवीए की सीट शेयरिंग समिति के सदस्य भी हैं। हाल ही में थोराट ने कहा था कि शिवसेना को मुंबई साउथ सेंट्रल और सांगली के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं करनी चाहिए थी।

खबर संक्षेप

16 फीट गहरे बोरवेल में फंसे बच्चे को निकाला

विजयापुर। कर्नाटक के विजयापुर के इंडी तालुका में बोरवेल में गिरे 2 साल के बच्चे को तकरीबन 20 घंटे के बचाव अभियान के सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बोरवेल के अंदर 16 फीट की गहराई में फंसे बच्चे सात्विक सतीश मुजागोंड को सुरक्षित बाहर निकालते ही खुशी की लहर दौड़ गई। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने बचाव अभियान को अंजाम दिया।

चंबा में लगे 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके

चंबा। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में गुरुवार रात 9:35 पर भूकंप के तेज झटका महसूस किया गया। झटके के बाद लोग अपने घरों से निकाल कर खुली जगह पर पहुंच गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप के झटके की तीव्रता 5.3 आंकी गई। किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। उपायुक्त मुकेश रैप्सवाल ने बताया कि भूकंप के झटके से जिला में किसी प्रकार के जानोमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

चंद्रशेखर को मिली जान से मारने की धमकी

नगीना। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे भीम आर्मी प्रमुख एवं आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर को गोली मारने की धमकी दी गई है। मामले की शिकायत लेकर जिला अध्यक्ष करणवीर सिंहशाहिद के दर्शन कार्यकर्ता एसपी से मिलने पहुंचे। सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हो रहा है, जो पार्टी तक भी पहुंचा है।

केजरीवाल को एक मामले में राहत

सीएम पद से हटाने की याचिका खारिज, 'सरकार' करे फैसला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें सीएम पद से हटाने की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है। हिंदू सेना नामक संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर याचिका में उन्हें सीएम पद से हटाने की मांग की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि यह केजरीवाल का निजी फैसला होगा। इस मुद्दे पर निर्णय लेना दिल्ली के उपराज्यपाल या भारत के राष्ट्रपति पर निर्भर है।

वकीलों से मुलाकात का वक्त बढ़ाया जाए

शराब घोटाले के मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल ने एक बार फिर कोर्ट का रुख किया है। सीएम के वकील ने कोर्ट में एक याचिका लगाई है। इसमें गुहार लगाई गई है कि जेल प्रशासन को यह आदेश दिया जाए कि वो अपने वकीलों से अतिरिक्त मुलाकात का वक्त दें।

कविता की नई याचिका

1 माह बेटे के साथ रहने से आसमान नहीं टूटेगा

तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस नेता के. कविता के वकील एएम सिंघवी ने उनके अंतरिम जमानत पर बहस की। सिंघवी ने कहा आरोपी महिला का 16 साल का बच्चा है, जिसकी परीक्षाएं अप्रैल में होने वाली हैं। एक माह तक बेटे के साथ रहने की इजाजत देते हैं। कोई आसमान नहीं गिर जाएगा?

संदेशखाली मामले में ममता सरकार पर भड़का कलकत्ता हाईकोर्ट

अत्याचार रोकने की संपूर्ण जिम्मेदारी सत्ताधारी दल की, जो हुआ शर्मनाक

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले में सुनवाई

मुंबई हलचल / कोलकाता

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले में सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता सरकार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा है कि यदि किसी नागरिक की सुरक्षा को खतरा है तो फिर सौ फीसदी जिम्मेदारी सत्ताधारी दल की है। संदेशखाली मामले की सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा कि अगर एक फीसदी भी सच है तो यह पूरी तरह से शर्मनाक है। वहां जो कुछ भी हुआ उसकी नैतिक जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सत्ताधारी दल की है। कोर्ट ने बंगाल सरकार से कहा कि अगर किसी नागरिक की सुरक्षा खतरे में है तो पूरी जिम्मेदारी सत्तारूढ़ दल की है।

आप एक आरोपी की ओर से सवाल पूछ रहे

सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चीफ जस्टिस ने सख्त लहजे में शाहजहां के वकील से सवाल भी किए। उन्होंने कहा कि आप एक आरोपी शख्स की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। पहले अपने आसपास के साए से छुटकारा पाएं। उसके बाद दूसरे के बारे में बात करें। 24 परगना जिले में स्थित संदेशखाली इलाके की कई महिलाओं ने दो महीने पहले टीएमसी के तत्कालीन नेता शाहजहां शेख समेत अन्य पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कई महीनों तक भाजपा टीएमसी पर हमलावर रही। इसके बाद शेख को गिरफ्तार कर लिया गया।

यहां से रेखा पात्रा भाजपा उम्मीदवार

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने संदेशखाली मामले की पीड़िता रेखा पात्रा को बशीरहाट सीट से उम्मीदवार भी बनाया है। पीएम ने संदेशखाली पीड़िता रेखा पात्रा से फोन पर बातचीत भी की थी। उन्होंने उनसे चुनावी तैयारियों, लोगों के बीच भाजपा के प्रति समर्थन और अन्य मुद्दों की जानकारी ली। रेखा ने संदेशखाली में महिलाओं की ओर से सामना की जाने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने रेखा को शक्ति स्वरूपा बताया था।

ममता के बिगड़े बोल

भाजपा को बताया जहरीले सांप से भी बुरा...

लोकसभा चुनाव में नेताओं की ओर से अमर्यादित टिप्पणियों का दौर भी शुरू हो गया है। अब पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने कूचबिहार में विरोधी दल भाजपा को अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। ममता ने ये तक कह दिया कि जहरीले सांप पर विश्वास कीजिए, लेकिन भाजपा पर नहीं। कूच बिहार में ममता ने भाजपा पर कई बड़े आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शीतलकुची में जिसने गोली मारकर हत्या किया वो अभी बीरभूम में भाजपा प्रार्थी बन गया। ममता ने आरोप लगाया कि 3 सालों से आवास योजना का पैसा नहीं दिया जा रहा है। सड़क के पैसे नहीं दिए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री को बताया कलंक

ममता ने कूच बिहार से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रामाणिक का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुम मंत्री के नाम पर कलंक हो। राज्य सरकार के अधिकारियों का ट्रांसफर हो रहा है।

बंगाल में कोई अलाएंस नहीं

ममता ने कहा कि बंगाल में कोई इंडिया एलाइंस नहीं हुआ है। इंडिया नाम भी मैंने दिया था। दिल्ली में अलायंस हुआ है । ममता ने अपशब्दों का भी प्रयोग किया। बाद में उन्होंने उन शब्दों को सुधारने की कोशिश की।

चट्टान कहकर श्रीलंका को दी थी जमीन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताई 'कच्चातिवु' की सच्चाई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को तमिलनाडु की डीएमके पार्टी पर श्रीलंका को कच्चातिवु द्वीप देने के मामले में जमकर निशाना साधा। जयशंकर ने दावा किया कि इंदिरा गांधी ने जब पांच दशक पहले श्रीलंका को भारत का यह द्वीप सौंपा था तब डीएमके भी उसके पक्ष में थी।

- एस जयशंकर ने डीएमके पर हमला बोला

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान तमिलनाडु में वोटिंग से पहले एस जयशंकर कहा कि राज्य के लोगों को इस मामले की पूरी सच्चाई पता होनी चाहिए। एस. जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह है कि तमिलनाडु के लोगों को सच्चाई पता होनी चाहिए। यह कैसे हुआ? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब केंद्र सरकार इस मुद्दे पर डीएमके बातचीत कर रही थी, लेकिन इसे मामले को पूरी तरह से गुप्त रखा गया था। तत्कालीन सरकार ने कच्चातिवु को छोटी चट्टान मानकर श्रीलंका को दिया था।

9 सोमालियाई समुद्री डाकुओं को पुलिस को सौंपा

मुंबई। पूर्वी सोमालिया में ईरानी जहाज एफवी अल कंबर को अपहृत करने वाले सभी 9 समुद्री लुटेरों को भारतीय नौसेना ने 3 अप्रैल को पश्चिमी तट पर लाकर मुंबई पुलिस को सौंप दिया। गौरतलब हो कि अरब सागर में यह घटना 29 मार्च को हुई थी, जिसमें भारतीय नौसेना ने लगभग 12 घंटे तक चले इस ऑपरेशन के बाद समुद्री डकैती रोकने के साथ ही 23 पाकिस्तानी नागरिकों को बचाया था। बुधवार देर रात मुंबई लाए गए इन सोमालियाई लुटेरों के विरुद्ध अब आगे की कार्रवाई समुद्री कानून के तहत की जाएगी।

सुरजेवाला की हेमा मालिनी पर अभद्र टिप्पणी से मचा बवाल

विज ने सुरजेवाला को बताया भेड़िया, महिला आयोग ने थमाया नोटिस

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा उत्तर प्रदेश के मथुरा से सांसद और अदाकारा हेमामालिनी पर दिया बयान अब सियासी रूप से नया विवाद खड़ा कर रहा है। महिला आयोग ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुरजेवाला को नोटिस थमाया है।

हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सुरजेवाला को भेड़िया तक कह दिया। विज ने कहा कि सुरजेवाला का हेमामालिनी के बारे में बयान देना, कोई नई बात नहीं हैं, ये कांग्रेस का महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया ने भी कंगना रनौत के बारे में भी ऐसी ही टिप्पणी की थी। विज ने कहा कि इनके (कांग्रेस) पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने एक पुस्तक दी इनसाइडर लिखी थी, उस पुस्तक में इनका (कांग्रेस) महिलाओं के प्रति क्या विचार व दृष्टिकोण है, के 767 नंबर पेज पर साफ-साफ लिखा हुआ है।

विवादित बयान पर पंचकूला में देना होगा स्पष्टीकरण

महिला आयोग ने जांच शुरू की

मुझे लगा कि सुरजेवाला एक सभ्य व्यक्ति हैं, मगर ऐसी बात की

दूसरी तरफ एक मामले की जांच करने अंबाला पहुंची महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को हमने नोटिस दिया है। नोटिस की एक कॉपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को भी भेजी गई है। इस नोटिस के माध्यम से सुरजेवाला को 9 अप्रैल को सुबह साढ़े 10 बजे पंचकूला स्थित कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने को कहा है।

भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

सुरजेवाला ने महिला जाति का अपमान किया

भाजपा आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने ट्वीट कर कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हेमा मालिनी पर एक घृणित टिप्पणी की है। उनकी यह टिप्पणी न केवल हेमा मालिनी के लिए है, बल्कि ये बात सामान्य रूप से महिलाओं के लिए भी अपमानजनक है।

आईएमडी ने दी सलाह

अप्रैल में ही पड़ेंगे लू के थपेड़े पांच दिन हीटवेव का अलर्ट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी ने ट्रेलर दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अप्रैल में ही राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात समेत कई राज्यों में 20 दिन लू चलेगी। अहमदाबाद में भीषण गर्मी के बाद 100 ट्रैफिक सिग्नलों को 12 बजे से 4 बजे तक बंद करने का ऐलान किया है।

राज्य के कई स्थानों में स्कूलों के समय पर बदलाव हुआ है। बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में अगले 5 दिन हीट वेव की चेतावनी जारी की है। उत्तरी राज्यों दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड में मौसम बदलने वाला

है। कई राज्यों को भयानक हीटवेव का सामना करना पड़ रहा है। जून तक पूरे देश का करीब 85 फीसदी हिस्सा आग में झुलसेगा। पिछली साल यह आंकड़ा 60 था। कर्नाटक में हीट वेव की स्थिति अल नीनो प्रभाव में वृद्धि के कारण है। राजधानी बेंगलुरु के लोगों को पानी के संकट के बीच भीषण गर्मी का भी सामना करना पड़ रहा है। यहां बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री पहुंच गया।

श्रीलंकाई से रिहा हुए 19 मछुआरे चेन्नई पहुंचे

तमिलनाडु के 19 मछुआरों को श्रीलंकाई जेल से रिहा कर दिया गया है। सभी मछुआरे श्रीलंका के कोलंबो से एयर इंडिया के जरिये चेन्नई पहंच गए हैं। गौरतलब हो कि समुद्री सीमा पार करने के आरोप में पिछले महीने 6 मार्च को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। इन 19 मछुआरों में मयिलादुथुराई के 9, पुदुकोट्टई के 4 और पुडुचेरी राज्य के कराईकल के 6 मछुआरे शामिल थे। ये सभी 6 मार्च को 2 नावों पर सवार होकर समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद श्रीलंकाई अदालत ने मछुआरों को रिहा करने का फैसला लिया है। भारतीय दूतावास ने तमिल मछुआरों को भारत लाने श्रीलंका से चेन्नई के लिए उड़ान टिकटों की भी व्यवस्था की।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कांग्रेस के दिग्गज हरीश रावत ने अपनी ही पार्टी पर दागे सवाल

कहा- 'हर स्तर पर भाजपा ने हमारी जगह ले ली'

देहरादून। कांग्रेस के दिग्गज नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपनी ही पार्टी को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि हर स्तर पर हमारा स्थान भाजपा ने ले लिया है। यह राष्ट्रीय स्तर या प्रांतीय स्तर की बात नहीं है, यहां तक कि गांव स्तर पर, स्थानीय स्तर पर भी उनकी पार्टी के कार्यकताओं ने हमारी जगह ले ली है, जब तक हम उन्हें वहां से नहीं हटाएंगे, तब तक हम कैसे अपने इलाके के नेता बन पाएंगे? वहीं कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले पुराने साथियों पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने फिर से भड़ास निकाली है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर बिना नाम लिए अपने पुराने सहयोगियों को खरी-खरी सुनाई। गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा कि बिन कहे रहा न जाए, मीडिया कुरेद-कुरेद कर पूछ रहा है कि आपके कई करीबी हैं जिनको सारी नियामतें उनके गले में हार बनाकर डाल दी, वह भी क्यों साथ छोड़ रहे हैं? हरीश रावत ने लिखा कि सवालों के जवाब पर मैंने कहा हर किसी के नाराजगी के कुछ न कुछ कारण होते हैं। कुछ लोग इसलिए नाराज हैं, वह मेरे कार्यकाल में एक एसडीएम को एडीएम बनाने की सुपारी ले चुके थे। एक पूजनीय इसलिए नाराज हैं, स्वर्गाश्रम ऋषिकेश की कुछ संपत्तियों को मैंने उनके संगठन के नाम पर करने से इनकार कर दिया, एकाध-दो सज्जन ऐसे भी हैं कि उनको देते-देते अंत में जब मेरे पास भी देने के लिए कुछ नहीं रह गया तो वह बड़े दाताओं के पास पहुंच गए हैं। देखते हैं वहां क्या मिलता है? हमारी शुभकामनाएं हैं यहां से कुछ ज्यादा उनको मिले और जहां गए हैं वहां वफादार रहें।

गर्मी से बढ़ी तपिश, आग की चपेट में उत्तराखंड के जंगल

गरमपानी। उत्तराखंड में पारा चढ़ने से तपिश बढ़ने लगी है। जिस कारण कई जगहों पर जंगल में आग लगने की घटना सामने आ रही है। अब तक जंगलों में आग से हजारों की वन संपदा खाक हो चुकी है। ताजा घटनाक्रम में नैनीताल जिले के गरमपानी क्षेत्र में समीपवर्ती टूनाकोट से सटा गनाई के जंगल में आग धधकने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें तिपोला क्षेत्र की ओर बढ़ने से ग्रामीण दहशत में हैं। गनाई के जंगल में उठी रही आग की लपटों के विकराल रुप लेने से वन संपदा भी जलकर राख हो गई। गुरुवार शाम के वक्त एकाएक गनाई का जंगल वनाग्नि की चपेट में आ गया। दिन ढलने के साथ चली तेज हवा से आग और भड़क गई। देखते ही देखते आग की लपटें विकराल होती चली गई। कुछ ही देर में पूरा जंगल आग की चपेट में आ गया। वन संपदा के साथ ही चारा पत्ती भी राख हो गई। गनाई के जंगल से उठी आग का रुख धीरे धीरे तिपोला क्षेत्र की ओर होने से खतरा कई गुना बढ़ गया है। एक के बाद एक जंगल जंगलों के आग की चपेट में आने से गांवों में तपिश भी बढ़ गई है। स्थानीय सुनील सिंह मेहरा ने जंगलों को आग से बचाने को ठोस उपाय किए जाने की मांग की है। नवंबर से अब उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों के जंगलों में आग लगने के कुल 46 मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में 48.93 हेक्टेयर जंगल को नुकसान पहुंचा है।

- पारंपरिक उद्योगों में फिर से नियुक्तियां बढ़ रही है
- विनिर्माण और परिचालन की भूमिकाओं में निरंतर उच्च मांग है
- डेटा एनालिटिक्स, जेनरेटिव एआई और मशीन लर्निंग में आवश्यकता

माइकल पेज इंडिया सैलरी गाइड 2024 ने जारी की रिपोर्ट

वरिष्ठ पदों पर औसत 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि का अनुमान : रिपोर्ट

इस साल वरिष्ठ पदों पर वेतन वृद्धि औसतन 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। माइकल पेज इंडिया सैलरी गाइड 2024 के अनुसार, पारंपरिक उद्योगों में फिर से नियुक्तियां फिर से बढ़ रही हैं जो विशेष रूप से विनिर्माण तथा परिचालन भूमिकाओं की निरंतर उच्च मांग से स्पष्ट है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इसके अतिरिक्त, विभिन्न क्षेत्रों में डेटा एनालिटिक्स, जेनरेटिव एआई और मशीन लर्निंग में कुशल पेशेवरों की आवश्यकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वार्षिक मार्गदर्शन रिपोर्ट में बीएफएसआई, इंजीनियरिंग तथा विनिर्माण, वित्त व लेखा, स्वास्थ्य देखभाल तथा जीवन विज्ञान, मानव संसाधन, विधि, अनुपालन, खरीद व आपूर्ति श्रृंखला, संपत्ति व निर्माण, बिक्री तथा विपणन और प्रौद्योगिकी के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

भारत में रोजगार सिर्फ वेतन तक सीमित नहीं

पेज ग्रुप के प्रबंध निदेशक अंशुल लोढ़ा ने कहा, 'जैसे-जैसे हम 2024 में आगे बढ़ रहे हैं, भारत में रोजगार की गाथा सिर्फ वेतन तक सीमित नहीं है। लचीलापन, कामकाज का तरीका और पेशेवर वृद्धि के अवसर नौकरी बदलने में महत्वपूर्ण हो रहे हैं, जो एक परिपक्व तथा समग्र रोजगार परिवेश को दर्शाते हैं।'

भारत की अर्थव्यवस्था में लचीलापन

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की छह प्रतिशत जीडीपी वृद्धि वैश्विक चुनौतियों के बीच भी भारत को इस क्षेत्र में विशिष्ट स्थान पर रखती है। पेजग्रुप के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा, 'भारत की अर्थव्यवस्था के इस तरह के लचीलेपन तथा आशावाद को प्रदर्शित करने और वैश्विक महामारी के पहले के अपने प्रदर्शन को पार करने के बाद क्षमताओं का दोहन करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस प्रकार प्रतिभा को फलने-फूलने देना और नवप्रवर्तन को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण बना हुआ है।'

सेवा क्षेत्र में वृद्धि 13 वर्ष के उच्चस्तर पर : पीएमआई

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत मांग के दम पर मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 पुहंच गया। यह फरवरी में 60.6 पर था।

पीएमआई 50 से ऊपर

खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विस पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

व्यावसायिक गतिविधि में तेजी आई

एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, 'फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में भारत की सेवाओं का पीएमआई बढ़ा, मजबूत मांग के कारण बिक्री तथा व्यावसायिक गतिविधि में तेजी आई। सेवा प्रदाताओं ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से नियुक्तियां बढ़ाईं हैं।'

13 वर्ष में दूसरी सबसे बढ़ी उछाल

सर्वेक्षण में कहा गया, 'रोजगार में नवीनतम वृद्धि कई महीनों में 22वीं और नवंबर 2022 के बाद से संयुक्त रूप से सबसे मजबूत है।' इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी में 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 हो गया। यह साढ़े 13 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मखदूम शाह बाबा दरगाह में रमजान के महिने में रोजाना 2000 से अधिक लोग करते हैं रोजा इफ्तारी

महिलाएं और बच्चों के लिए भी रोजा इफ्तारी का किया जाता है बंदोबस्त

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबई के माहिम में माहिम मखदूम शाह बाबा दरगाह में रमजान के महिने में रोजाना 2000 से अधिक लोग रोजा इफ्तारी करते हैं। खास तौर पर महिलाएं और बच्चों के लिए भी रोजा इफ्तारी का बंदोबस्त किया जाता है। दरगाह के सभी खादीम साम 4 बजे से ही रोजा इफ्तारी के बंदोबस्त में लग जाते हैं और जैसे जैसे मगरीब का वक्त करीब आता है उस दौरान महिलाएं और पुरुषों के मेले लग जाते हैं रोजा इफ्तारी के लिए। दरगाह में पुरे रमजान के महिने में रोजाना फल फ्रुट, सरबत, भजिया, पकोड़े, की टोकरियां सजाइ जाती है साथ ही साथ स्नेक्स के पेकेट भी बनाए जाते हैं और लोगों में लंगर तकसीम किया जाता है। माहिम और हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी सोहैल खंडवानी हैं सोहैल खंडवानी ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के वाईस प्रेसिडेंट भी हैं और रोजाना जरुरतमंदों के लिए हमेशा आगे आते हैं। हमने यहां जब असलम शैख से रोजा इफ्तारी के बारे में बात की तो उन्होंने बताया की रोजाना यहां हजारों की तादाद में लोग रोजा इफ्तारी के लिए आते हैं और रोजा इफ्तारी करते हैं। यहां हिंदु, मुस्लिम, शिख, इसाई, सभी जाती के लोग बिना किसी भेदभाव से आते हैं और अपनी मुरादें पाते हैं। दरगाह की अगर बात करें तो 800 साल पुरानी बाबा मखदूम शाह विलायत

की इस दरगाह पर सुनवाई सात हिजरी के बाद होती है। यहां शिकायत और मन्नत को लेकर अनोखी परंपरा है। फरियादी को एक कागज पर लिखकर बाबा के दरबार में अर्जी देनी होती है। उसे सात सप्ताह लगातार बाबा के दरबार में आना पड़ता है, फिर बाबा को लगता है कि फरियादी दिल से उनके पास आ रहा है। यहां आने वालों में नौकरी की चाहत रखने वालों की संख्या भी होती है। मखदूम शाह बाबा की दरगाह पर आने वाले ऐसे फरियादियों की संख्या अधिक हैं, जो ऊपरी साए से अपने आपको पीड़ित बताते हैं। यहां आकर बाबा की मजार के सामने पहुंचते ही उन पर मौजूद ऊपरी साए का असर खुद-ब-खुद खत्म हो जाता है। कहते हैं, यहां आते ही प्रेतात्मा के राज खुद खुल जाते हैं, जिस व्यक्ति पर ऊपरी का असर होता है, वह व्यक्ति जब मजार पर आता है, तो खुद उस पर जिस साए का असर होता है, वह अपने बारे में बताने लगाता है। दरगाह की देखरेख करने वाले खादीम बताते हैं कि यहां सोमवार को पीड़ित आकर अपनी अर्जी लगाते हैं। इसका असर कुछ ऐसा है कि लोग खुद ही चले आते हैं। उसके बाद उन्हें सात सोमवार लगातार बाबा के दरबार में हाजिरी लगानी पड़ती है। मखदूम शाह विलायत के बारे में बताया गया है कि वह मक्का मदीना से आए थे। यहां मेरठ में आकर उन्होंने मोहल्ला जादियान में अपना बसेरा किया था। दरगाह में उनकी मजार के पास ही उनके वालिद और वालिदा की मजार भी बनी हुई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भूमि पेडनेकर को मिला ये सम्मान

क्लाइमेट वॉरिअर और विचारक नेता भूमि पेडनेकर को वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम द्वारा यंग ग्लोबल लीडर के रूप में मान्यता दी जा रही है! उन्हें इस साल के अंत में जिनेवा में प्रतिष्ठित की 2024 कक्षा में शामिल किया जाएगा! कोविड -19 महामारी के दौरान जीवन बचाने के अपने अविश्वसनीय काम के साथ-साथ स्थिरता और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता बढ़ाने में भूमि के योगदान की सभी ने सराहना की है। प्रतिष्ठित वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम द्वारा शुरू किए गए यंग ग्लोबल लीडर्स समुदाय का उद्देश्य दुनिया की कुछ सबसे जरूरी चुनौतियों से निपटने के लिए 40 वर्ष से कम आयु के उत्कृष्ट व्यक्तियों को पहचानना और सम्मानित करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य उन व्यक्तियों को सशक्त बनाना है जिन्होंने अधिक टिकाऊ और समावेशी भविष्य को आकार देने के लिए उत्कृष्ट नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। यह सम्मान जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता बढ़ाने और प्रभावशाली बदलाव लाने की भूमि की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवन के लिए एक उत्साही व्यक्ति के रूप में, भूमि ने अपने मंच का उपयोग विभिन्न कारणों, जैसे कि अपशिष्ट पृथक्करण, वर्षा जल संचयन, रीसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग, जागरूक फैशन विकल्प और कई अन्य मुद्दों पर जोर देने के लिए किया है।

संजना सांघी अब हॉलीवुड की तैयारी में

संजना सांघी बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। अपनी चंद फिल्मों से ही वह अपने अभिनय के लिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। इस साल सांघी की 2 फिल्में रिलीज हुई। 'धक धक' और 'कड़क सिंह', दोनों ही फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया। भले ही बॉलीवुड में सांघी ने अभी कुछ ही फिल्में की हैं, लेकिन उन्होंने हॉलीवुड की राह देखना शुरू कर दिया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से बताया। सांघी ने बताया कि वह अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के लिए ऑडिशन देना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मैं कुछ भूमिकाओं के बारे में पढ़ रही हूं, जिनका मैं ऑडिशन देना चाहती हूं। ओटीटी की वजह से अब दुनियाभर के फिल्म निमार्ता मेरे काम को देख सकते हैं। हमारा काम आसानी से उपलब्ध है। मुझे विदेशों से फोन आ रहे हैं। मुझे लगता है 'दिल बेचारा', 'फॉल्ट इन अवर स्टार्स' की रीमेक थी, जिसकी वजह से लोगों ने मुझे देखा। सांघी ने आगे कहा, मुझे सोशल मीडिया पर इतना प्यार मिल रहा है कि वह मेरे फैसले को मान्यता देता है। एक नए कलाकार के रूप में आप वो बातें नहीं समझ पाते हैं, जिनकी वजह से आप किसी भूमिका के लिए हामी भरें। मेरी अब तक की फिल्मों से मैंने ये सीख लिया है। 'धक धक' और 'कड़क सिंह' की सफलता ने यह सुनिश्चित कर दिया कि मैं सही रास्ते पर हूं।

किसी को बाहरी व्यक्ति कहने की हिम्मत...

अमित साध एक ऐसे अभिनेता हैं, जो बॉलीवुड फैमिली से नहीं आते। उन्होंने बिना किसी इंडस्ट्री कनेक्शन के साथ काम किया है। फिर भी वह खुद को बाहरी कहने के लिए तैयार नहीं हैं। अमित साध ने कहा, 'मैं अपने आप को बाहरी व्यक्ति नहीं मानता। मैं भारत की सुरक्षित सीमाओं के अंदर रहता हूं। इन सीमाओं के अंदर रहने वाला हर व्यक्ति इनसाइडर है। आप किसी भी व्यक्ति को आपको बाहरी व्यक्ति कहने की हिम्मत न करने दें। उन्होंने आगे कहा, 'किसी भी उम्र में बड़े या शक्तिशाली व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वे अपने से छोटे या उनसे कम पॉवरफुल व्यक्ति को बाहरी न महसूस होने दें। मैं आशा करता हूं कि जब तक मैं इस उद्योग में हूं, मैं इस बाहरी-अंदरूनी विवाद को रोक सकूं।' अमित ने 2002 में एक टेलीविजन अभिनेता के रूप में शुरूआत की थी और बाद में 2010 में फिल्म 'फूंक 2' से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने 'काई पो चे', 'गुड्डू रंगीला', 'सुल्तान', 'रनिंग शादी', 'गोल्ड' और 'सुपर 30' जैसी फिल्मों में काम किया है।